|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  | Art plastique CORRECTION mai 2020 p 3 /3  **Giuseppe Arcimboldo (vers 1525-1593)** |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | Numéro  ➋  ➏   |  |  | | --- | --- | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | | ➍ |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | | ➌ |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | | ➎ |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | | ➊ |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | |  |  | | **Place** en montrant au bon endroit sur les tableaux avec une flèche les numéros correspondant à chaque phrase :  ➊. Le froid humide fait pousser les champignons, même dans la bouche de ce portrait de l’hiver.  ➋. Son beau collier finement dessiné est accompagné d’un vêtement de feuilles vertes, celles qui apparaissent au printemps.  ➌. Des épis de blé dépassent de son col, c’est l’été le moment de la moisson.  ➍. Les fleurs qui forment la coiffure du jeune homme nous indiquent qu’il s’agit d’une représentation du printemps, le moment où apparaissent les fleurs.  ➎. Il n’y a plus de feuilles sur les branches, c’est le portrait de l’hiver.  ➏. Son visage est fait de fruits, ceux que l’on récolte l’été : c’est son portrait.  Voici 4 affirmations concernant la manière de peindre d’Arcimboldo, **coche** les cases des réponses justes en lisant les phrases et en regardant les tableaux et le texte des pages 1 et 2.   |  |  | | --- | --- | | 🗙 | Il a peint avec beaucoup de détails qui semblent vrais (détails, fruits, costume). | | 🗙 | Ses tableaux sont aussi précis que des photos car il dessine et peint très bien les  gens, avec de belles couleurs. | | 🗙 | Ses portraits sont sans ressemblance avec ce que l’on peut voir en vrai : les  personnages représentent les saisons. | | 🗙 | Il a peint les seigneurs de la cour. |   Arts Plastiques - [Collège Bel Air de Thoissey]A ton tour de réaliser ton portrait à la façon de **Giuseppe Arcimboldo,** tu peux utiliser tous les outils et méthodes que tu veux. A toi de trouver ! Ampoule led A60 E27 3W - Achat Ampoule LED filament |
|  |
|  |